Course code	Hindi Gadhya Sahitya , Paper –VII	L	T	P	C
MHINL20Y201	हिन्दी गद्य साहित्य	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

1. हिन्दी गद्य साहित्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्रों में हिन्दी गद्य साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3. हिन्दी गद्य साहित्य भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. हिन्दी गद्य साहित्य की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. हिन्दी गद्य साहित्य दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में हिन्दी गद्य साहित्य भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. हिन्दी गद्य साहित्य भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. हिन्दी गद्य साहित्य भाषा एव विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. हिन्दी गद्य साहित्य ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 — 18 घण्टे

- हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास।

Unit - 2 — 18 घण्टे

- आदिकाल में गद्य की परम्परा एवं प्रमुख रचनाओं का परिचय।

Unit – 3 — 18 घण्टे

- उपन्यास का उद्भव एवं विकास –
- भीष्म साहनी-- तमस
- आधागांव – राही मासूम रजा।

Unit - 4 — 18 घण्टे

हिन्दी कथा उद्भव एवं विकास –

- प्रथम कहानी कौन,
- चन्द्रदेव से मेरी बातें – राजेन्द्र बाला घोष।
- एक टोकरी मिट्टी भर – माधव राव सप्रे
- दुनिया का अनमोल रतन – प्रेमचंद
- इंस्पेक्टर मातादीन – हरिशंकर परसाई।

अभिषेक अग्र Ashish

Unit - 5	18 घण्टे
नाटक का उद्भव एवं विकास – • ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद • अंधायुग – धर्मवीर भारती • महाभोज – मन्नू भण्डारी। • प्रमुख उपन्यासों, कहानियों व नाटकों का कथासार परिचय।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1. हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग – 11) – जगदीश चन्द्र माथुर, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी। 4. हिन्दी : उद्भव, विकास और स्वरूप – हरदेव बाहरी। 5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 6. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी। 7. हिन्दी गद्य का विकास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, नई दिल्ली। 8. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्भव एवं विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण, किताब महल प्रकाशन। 9. हिन्दी कहानी उद्भव एवं विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन नई दिल्ली। 10. हिन्दी नाटक कोश : डॉ. दशरथ ओझा। 11. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : सोमनाथ गुप्त। 12. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : डॉ. एम. एम. गणेशम, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली। 13. भारत – पाकिस्तान विभाजन – डॉ. अभिषेक जैन, शिक्षाचार्य।		

अभिषेक जैन

Course code	Bhartiya Avem Pashcatya Kavya Shastra Aur Sidhant Paper – VIII	L	T	P	C
MHINL20Y202	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत की दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत की विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र और सिद्धांत के ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1	18 घण्टे

- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत का उद्‌भव एवं विकास।
- पाश्चात्य काव्य –शास्त्र और उसके अध्ययन का औचित्य।

Unit - 2	18 घण्टे

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत।
- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत।
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

Unit – 3	18 घण्टे

- ड्राइडन के काव्य सिद्धांत।
- वर्ड्सवर्थ : काव्य –भाषा का सिद्धांत।
- कालरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

Unit - 4	18 घण्टे

- मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
- टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

अभिषेक ... Nayak Ashishxy

• आई. ए. रिचर्डस : संप्रेषण का सिद्धांत संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना ।	
Unit - 5	18 घण्टे
सिद्धांत और वाद : • अभिजात्यवाद • स्वच्छंदतावाद (विलियम वड्सवर्थ) • अभिव्यंजनावाद (कोचे) • मार्क्सवाद • मनोविश्लेषण • अस्तित्ववाद।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1. हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग – 10)– डॉ. नंददुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. उदयभान, 3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, संजय बुक सेन्टर, गोलघर, वाराणसी 4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 2007 5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपतिचन्द्र गुप्त, हिन्दी विभाग, रोहतक विश्वविद्यालय।		

Course code	Adhunik Jain Hindi Sahitya Avem Darshan Paper – IX	L	T	P	C
MHINL20Y203	आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			

Course Objectives:

1. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्रों में आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन की क्षमताओं एव विशषताओं का ज्ञान करना।
2. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य एवं दर्शन गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1	18 घण्टे

- आधुनिक जैन हिन्दी साहित्य का उद्‌भव एवं विकास।

Unit - 2	18 घण्टे

महाकवि आचार्य विद्यासागर एवं उनकी हिन्दी रचनाओं का परिचय

- नर्मदा का नरम कंकर
- मूकमाटी महाकाव्य (चार खंण्ड)
- डूबो मत, लगाओ डुबकी
- तोता क्यों रोता।

Unit – 3	18 घण्टे

आधुनिक आचार्य एवं उनकी हिन्दी रचनाएँ–

- आचार्य सुनीलसागर
- आचार्य विशुद्धसागर
- आचार्य विभवसागर
- आचार्य विनम्रसागर
- आचार्य विमर्शसागर

अभिषेक जैन Dayak Ashish

Unit – 4	18 घण्टे
आधुनिक मुनि, आर्यिका, क्षुल्लक एवं उनकी हिन्दी रचनाएँ– • मुनि क्षमासागर • प्रबुद्धसागर, • मार्दवसागर। • मुनि उत्तमसागर • मुनि सुव्रत सागर • मुनि कुन्थुसागर • मुनि आदित्यसागर • आर्यिका चन्दनामति • आर्यिका मृदु मति माता जी • आर्यिका पूर्णमति • ऐलक गोसलसागर। • क्षुल्लक ध्यान सागर • क्षुल्लक ध्यान भूषण	
Unit - 5	18 घण्टे
हिन्दी में जैन तत्त्व व दर्शन – • महावीर दर्शन • गांधीवादी दर्शन • अम्बेडकर दर्शन • लोहिया दर्शन।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text Book(s) / Reference Books		
	1. हिन्दी जैन साहित्य का वृहद् इतिहास : पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी। 2. महाकवि आचार्य विद्यासागर ग्रन्थावली : आचार्य ज्ञानसागर वागर्थ केन्द्र व्यावर। 3. जैन साहित्य और इतिहास : नाथूराम प्रेमी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई। 4. आधुनिक हिन्दी काव्य में आध्यात्मिक चिंतन का स्वरूप और विकास : डॉ. अनीता श्रीवास्तव, इलाहबाद विश्वविद्यालय। 5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. बच्चन सिंह। 6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, प्रयाग। 7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. रामचन्द्र शुक्ल। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ. सुरेन्द्र माथुर। 9. आधुनिक हिन्दी काव्य और कवि : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, नया साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद। 10. आत्मोदय शतक – आचार्य सुनीलसागर जैन संस्कृति शोध संस्थान, इन्दौर। 11. कालजयी कविताएँ – आचार्य सुनीलसागर, जैन संस्कृति शोध संस्थान, इन्दौर। 12. समाधि भक्ति – आचार्य विभवसागर, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली। 13. भक्ति भारती – आचार्य विभवसागर, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली। 14. उपाश्रय की छाँव – मुनि निर्वेग सागर जी।	

Ashish

Course code	Vishisth Adhyayan (Elective) Paper – X- I	L	T	P	C
MHINL20Y204	विशिष्ट अध्ययन	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

15. तन से लिपटी बेल – आर्यिका श्री विनीत मति माता जी, प्रकाशन : रत्नत्रय प्रकाशन ... दिल्ली, संस्करण – 2015

Course Objectives:

1. ~~विशिष्ट अध्ययन विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।~~
2. छात्रों में विशिष्ट अध्ययन साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3. विशिष्ट अध्ययन में भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. विशिष्ट अध्ययन में भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. विशिष्ट अध्ययन में भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. विशिष्ट अध्ययन में भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. भाषा एव विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. विशिष्ट अध्ययन के गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।

90 घण्टे

- कबीर
- तुलसी
- सूरदास
- विहारी
- निराला।
- प्रेमचन्द्र
- जयशंकर प्रसाद
- महाकवि आचार्य विद्यासागर
- महाकवि आचार्य विभवसागर
- आर्यिका पूर्णमति माता जी
- आर्यिका चन्दनामति माता जी
- हिन्दी में बौद्ध साहित्य।
- सिद्ध व नाथ साहित्य।

नोट : उपरोक्त उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि का परिचय एवं उनकी रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन।

अभिषेक झा

Sayak Abhishay

	# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग – 11) – जगदीश चन्द्र माथुर, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास – उदयनारायण तिवारी।
4. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और स्वरूप – हरदेव बाहरी।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
6. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी।
7. हिन्दी गद्य का विकास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, नई दिल्ली।
8. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव एवं विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण, किताब महल प्रकाशन।
9. हिन्दी कहानी उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन नई दिल्ली।

Course code	Prayojanmulak Hindi (ElectivE) Paper – X- II	L	T	P	C
MHINL20Y205	प्रयोजनमूलक हिन्दी	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा एव विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी के गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - I — 18 घण्टे

मीडिया लेखन

- जनसंचार –प्रौद्योगिकी एंव चुनौतियाँ।
  - विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रवय, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
  - श्रव्य माध्यम – रोडियों,

मौखिक भाषा की प्रकृति

- समाचार लेखन एवं वाचन
- रोडियो नाटक
- उद्घोषणा,
- लेखन,
- विज्ञापन लेखन,
- फीचर तथा रिपोर्ट्स,

Unit - 2 — 18 घण्टे

दृश्य – श्रव्य माध्यम

- (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो)
- दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
- दृश्य एंव श्रव्य साम्रगी का सामंजस्य
- पार्श्व साम्रगी का सामंजस्य

- पार्श्व वाचन, (वायस ओवर)
- पटकथा लेखन, टेलीड्रामा,
- डाक्यू ड्रामा संवाद–लेखन
- साहित्य की विधाओ का दृश्य–माध्यमो का रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा।
- इंटरनेट साम्रगी सृजन।

Unit – 3	18 घण्टे

अनुवाद का स्वरूप ,क्षेत्र,प्रकिया एंव प्रविधि।

- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ।
- कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद ।
- जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
- विज्ञापन में अनुवाद।
- वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

Unit - 4	18 घण्टे

- वाणिज्यिक अनुवाद।
- वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
- कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
- व्यावहारिका अनुवाद अभ्यास।
- कार्यालयीन अनुवाद : –
- कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
- प्रशासनिक, प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
- पत्रो के अनुवाद।
- अनुवाद, अनुभागो, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।
- विधि--साहित्य की हिन्दी और अनुवाद ।

Unit - 5	18 घण्टे

- बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
- विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
- साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एंव व्यवहार कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद।
- दुभाषिया प्रविधि।
- अनुवाद पुननिरीक्षण एवं मूल्यांकन।

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. प्रयोजनात्मक हिन्दी – प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, सुलभ प्रकाशन।
2. वाणिज्यिक हिन्दी – आर. बी. नारायण, ज्ञानोदय प्रकाशन।
3. व्यावहारिक हिन्दी – एन. डी. पालीवाल, मानीषा प्रकाशन दिल्ली।
4. प्रशासनिक हिन्दी पुष्पा कुमारी, क्लासिकल पब्लिक कम्पनी।
5. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्रवर्मा।
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार, क्लासिकल पब्लिक कम्पनी।

Course code	Hindi Patrakarita Avem Sampadan Prakriya (Elective) Paper – X- III	L	T	P	C
MHINL20Y206	हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			

Course Objectives:

1. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्रों में हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया साहित्य के प्रति रुचि जागरत करना।
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशलों विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. हिन्दी पत्रकारिता एवं संपादन प्रक्रिया ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 — 18 घण्टे

- पत्रकारिता का अर्थ।
- पत्रकारिता का अवधारणा।
- पत्रकारिता का महत्त्व।

Unit - 2 — 18 घण्टे

- हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न चरण।
- स्वतंत्रता पूर्व युग।
- स्वतंत्रयोत्तर युग : परिचय और प्रवृत्तियां।
- पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।

Unit – 3 — 18 घण्टे

महत्त्वपूर्ण पत्र – पत्रिकाएं :

- सरस्वती
- कर्मवीर
- हंस
- बनारस अखबार।

अभिषेक जी

Unit - 4	18 घण्टे
संपादन : • अवधारणा • उद्देश्य • आधारभूत तत्त्व • निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ • समाचार विश्लेषण • संपादन – कला के सामान्य सिद्धांत।	
Unit - 5	18 घण्टे
• सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। • सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1. जन संचार माध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान 2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत, यू. प्र. रायपुर। 3. वृहद् हिन्दी पत्र–पत्रिका कोश – सूर्य प्रसाद दीक्षित 4. पत्रकारिता संदर्भ कोश – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश, वाणी प्रकाशन। 5. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक।		

Course code	Dissertation/Project work , Paper – XI	L	T	P	C
MHINL20Y207	लघु शोध निबन्ध/परियोजना कार्य, प्रश्न पत्र –XI	0	0	10	10
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

1. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान का विशेषज्ञता के साथ ज्ञान प्रदान करना।
2. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
3. छात्रों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
4. हिन्दी भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
5. भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
6. भाषा से संबंधित भाषा दोषों को दूर करना।
7. शोध कार्य को बढ़ावा देना।

Course Outcome:

1. हिन्दी भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. हिन्दी भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
3. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के ज्ञान को विस्तारित एवं प्रसारित करना।
4. शोध कार्य एवं अनुसंधान का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में लेखन कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में लेखन के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ छात्र को दक्ष बनाना।
6. शोध कार्य की समस्याओं का निदान होना।
7. शोध कार्य को गति प्रदान करना।

प्रत्येक विद्यार्थी प्रश्नपत्र संख्या सप्तम से दशम प्रश्न पत्र तक पढ़े गये विषयों में से किसी एक विषय पर लघु शोध निबन्ध तैयार करना।

Course code	Subjective Presentation and Comprehensive viva XII	L	T	P	C
MHINL20Y208	विषय प्रस्तुति एवं विस्तृत मौखिकी	0	0	6	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

1. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान का विशेषज्ञता के साथ ज्ञान प्रदान करना।
2. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
3. छात्रों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
4. हिन्दी भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
5. भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
6. भाषा से संबंधित भाषा दोषों को दूर करना।
7. शोध कार्य को बढावा देना।

Course Outcome:

1. हिन्दी भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. हिन्दी भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
3. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के ज्ञान को विस्तारित एवं प्रसारित करना।
4. शोध कार्य एवं अनुसंधान का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. भाषा एव विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ छात्र को दक्ष बनाना।
6. शोध कार्य की समस्याओं का निदान होना।
7. शोध कार्य को गति प्रदान करना।

प्रत्येक विद्यार्थी प्रश्नपत्र संख्या सप्तम से एकादश प्रश्न पत्र तक पढ़े गये विषयों में से किसी एक विषय पर प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी देना होगा।

Abhishek